वैश्विक परिप्रेक्ष्य में भारतीय ज्ञान परम्परा की प्रासंगिकता

ज्योतिषाचार्य डॉ. तेजस्कर पाण्डेय

अंततः यह कहा जा सकता है कि ज्योतिष को न तो अंधस्वीकार की दृष्टि से देखना उचित है और न ही पूर्वाग्रहपूर्ण अस्वीकृति की दृष्टि से. किसी भी प्राचीन ज्ञान-परम्परा का वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन उसके ऐतिहासिक विकास, सामाजिक प्रभाव, सांस्कृतिक योगदान तथा समकालीन उपयोगिता के आधार पर किया जाना चाहिए. भारतीय ज्योतिष ने हजारों वर्षों से समाज के बौद्धिक, सांस्कृतिक तथा आध्यात्मिक जीवन को प्रभावित किया है और आज भी वह करोड़ों लोगों के जीवन में प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से उपस्थित है. इसलिए आवश्यकता इस बात की है कि इसके संबंध में गंभीर अकादमिक अनुसंधान, अंतर्विषयी अध्ययन तथा प्रमाणाधारित विमर्श को प्रोत्साहित किया जाए. ऐसा करने से न केवल भारतीय ज्ञान परम्परा के इस महत्वपूर्ण आयाम का समुचित मूल्यांकन संभव होगा, बल्कि आधुनिक समाज को भी अपनी सांस्कृतिक विरासत, मानवीय अनुभव तथा ज्ञान की विविध परम्पराओं को अधिक व्यापक और संतुलित दृष्टि से समझने का अवसर प्राप्त होगा. यही दृष्टिकोण भविष्य में भारतीय ज्योतिष को वैश्विक बौद्धिक विमर्श में अधिक सशक्त, विश्वसनीय और सम्मानजनक स्थान प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण आधार सिद्ध हो सकता है.

मानव सभ्यता के विकास का इतिहास केवल वैज्ञानिक उपलब्धियों, राजनीतिक परिवर्तनों अथवा आर्थिक संरचनाओं का इतिहास नहीं है, बल्कि वह उन विश्वास-प्रणालियों का भी इतिहास है जिनके आधार पर मनुष्य ने स्वयं, प्रकृति तथा सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड को समझने का प्रयास किया. इन्हीं विश्वास-परम्पराओं में ज्योतिष का स्थान अत्यन्त विशिष्ट है. यद्यपि आधुनिक युग विज्ञान, प्रौद्योगिकी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता तथा डिजिटल क्रान्ति का युग माना जाता है, तथापि ज्योतिष आज भी विश्व के करोड़ों लोगों के जीवन का अभिन्न अंग बना हुआ है. यह तथ्य स्वयं इस बात का प्रमाण है कि ज्योतिष केवल भविष्यवाणी तक सीमित कोई परम्परागत विधा नहीं, बल्कि एक ऐसी सांस्कृतिक एवं दार्शनिक व्यवस्था है जो मनुष्य को उसके जीवन, समय, परिस्थितियों तथा ब्रह्माण्ड के मध्य संबंध स्थापित करने का माध्यम प्रदान करती है. आधुनिक समाज में जब व्यक्ति तीव्र प्रतिस्पर्धा, मानसिक तनाव, सामाजिक परिवर्तन तथा भविष्य की अनिश्चितताओं से घिरा हुआ है, तब वह केवल भौतिक समाधान ही नहीं, बल्कि जीवन को अर्थ प्रदान करने वाले वैचारिक आधार की भी खोज करता है. ज्योतिष इसी आवश्यकता की पूर्ति करते हुए व्यक्ति को यह अनुभव कराता है कि जीवन की प्रत्येक घटना किसी व्यापक ब्रह्माण्डीय व्यवस्था का भाग है और प्रत्येक अनुभव का कोई न कोई गहन प्रतीकात्मक अर्थ विद्यमान है.

समकालीन समाज में ज्योतिष की बढ़ती स्वीकार्यता का एक प्रमुख कारण उसका समयानुकूल रूपान्तरण भी है. पहले जहाँ ज्योतिष का ज्ञान सीमित विद्वानों अथवा पारम्परिक आचार्यों तक सीमित था, वहीं आज इंटरनेट, मोबाइल अनुप्रयोगों, ऑनलाइन परामर्श तथा डिजिटल मंचों ने इसे वैश्विक स्तर पर अत्यन्त सुलभ बना दिया है. आज कोई भी व्यक्ति कुछ ही क्षणों में अपनी जन्मकुण्डली का निर्माण करा सकता है, ग्रहों की वर्तमान स्थिति का अध्ययन कर सकता है अथवा विशेषज्ञों से ऑनलाइन परामर्श प्राप्त कर सकता है. इससे ज्योतिष के प्रति विशेष रूप से युवा पीढ़ी में नवीन रुचि विकसित हुई है. यद्यपि इस डिजिटल विस्तार ने ज्योतिष के व्यावसायीकरण तथा अत्यधिक सरलीकरण जैसी चुनौतियाँ भी उत्पन्न की हैं, फिर भी यह तथ्य असंदिग्ध है कि आधुनिक तकनीक ने ज्योतिष को नई सामाजिक ऊर्जा प्रदान की है. इस प्रकार ज्योतिष ने स्वयं को बदलते समय के अनुरूप ढालते हुए अपनी परम्परागत आत्मा को सुरक्षित रखा है तथा आधुनिक जीवन के साथ प्रभावी समन्वय स्थापित किया है.

विश्व के विभिन्न देशों में ज्योतिष की अभिव्यक्ति भिन्न-भिन्न स्वरूपों में दिखाई देती है. पश्चिमी देशों में इसे मुख्यतः व्यक्तित्व विकास, आत्मविश्लेषण तथा मनोवैज्ञानिक परामर्श के साधन के रूप में देखा जाता है, जबकि भारत में इसका स्वरूप कहीं अधिक व्यापक एवं सामाजिक है. भारतीय समाज में विवाह, शिक्षा, व्यवसाय, गृहप्रवेश, धार्मिक संस्कार, यात्रा, कृषि तथा अनेक महत्वपूर्ण निर्णय आज भी ज्योतिषीय विचार-विमर्श से प्रभावित होते हैं. भारतीय ज्योतिष केवल ग्रहों की गणना का विज्ञान नहीं, बल्कि कर्म, धर्म, काल, पुनर्जन्म तथा आध्यात्मिक उत्तरदायित्व जैसे दार्शनिक सिद्धान्तों से जुड़ी एक समग्र जीवन-दृष्टि प्रस्तुत करता है. यही कारण है कि भारतीय सामाजिक संरचना में ज्योतिष केवल व्यक्तिगत विश्वास का विषय नहीं, बल्कि सांस्कृतिक परम्परा, धार्मिक आस्था तथा सामाजिक व्यवहार का अभिन्न अंग बना हुआ है. आधुनिकता के तीव्र प्रभाव के बावजूद इसकी सामाजिक स्वीकार्यता में कोई उल्लेखनीय कमी नहीं आई है, बल्कि नई परिस्थितियों में इसकी उपयोगिता के नए आयाम विकसित हुए हैं.

वर्तमान वैश्विक परिवेश में यह भी स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है कि ज्योतिष का महत्व केवल भविष्य जानने की जिज्ञासा तक सीमित नहीं रह गया है. आज अनेक व्यक्ति इसे आत्मबोध, मानसिक संतुलन, जीवन-प्रबंधन तथा भावनात्मक परिपक्वता के साधन के रूप में ग्रहण कर रहे हैं. व्यक्ति अपने व्यक्तित्व, संबंधों, संभावनाओं तथा जीवन की चुनौतियों को समझने के लिए ज्योतिषीय प्रतीकों का सहारा लेता है. इस प्रकार ज्योतिष आधुनिक समाज में एक ऐसी विश्वास-व्यवस्था के रूप में विकसित हुआ है जो विज्ञान और आध्यात्म, परम्परा और आधुनिकता, व्यक्तिगत अनुभव और सांस्कृतिक चेतना के मध्य संवाद स्थापित करती है. यही कारण है कि बदलते वैश्विक समाज में भी ज्योतिष की प्रासंगिकता निरन्तर बनी हुई है तथा वह मानव जीवन को व्यापक ब्रह्माण्डीय संदर्भ में समझने की एक महत्त्वपूर्ण ज्ञान-परम्परा के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान बनाए हुए है.आधुनिक समाज में ज्योतिष की उपयोगिता का मूल्यांकन केवल वैज्ञानिक प्रमाणों अथवा भविष्यवाणियों की शुद्धता के आधार पर नहीं किया जा सकता, क्योंकि उसका वास्तविक महत्व मानव जीवन के सामाजिक, मनोवैज्ञानिक तथा सांस्कृतिक आयामों में निहित है. जब कोई व्यक्ति जीवन के महत्वपूर्ण निर्णयों के सामने खड़ा होता है, तब वह केवल तार्किक विश्लेषण पर निर्भर नहीं रहता, बल्कि वह ऐसे मार्गदर्शन की भी अपेक्षा करता है जो उसे आत्मविश्वास, मानसिक संतुलन तथा भविष्य के प्रति आश्वस्ति प्रदान कर सके. यही कारण है कि आज भी शिक्षा, व्यवसाय, विवाह, आर्थिक निवेश, स्वास्थ्य तथा सामाजिक संबंधों जैसे अनेक क्षेत्रों में लोग ज्योतिषीय परामर्श को महत्त्व देते हैं. ज्योतिष व्यक्ति के समक्ष उपलब्ध संभावनाओं एवं चुनौतियों का प्रतीकात्मक विश्लेषण प्रस्तुत करता है, जिससे वह अपने निर्णयों के प्रति अधिक सजग, संतुलित तथा आत्मविश्वासी बनता है. इस दृष्टि से ज्योतिष किसी यांत्रिक भविष्यवाणी का माध्यम न होकर जीवन की परिस्थितियों को समझने का एक वैचारिक उपकरण बन जाता है.

मनोवैज्ञानिक दृष्टि से भी ज्योतिष का महत्व निरन्तर बढ़ रहा है. वर्तमान समय में तनाव, अवसाद, अकेलापन, सामाजिक असुरक्षा तथा भविष्य की अनिश्चितता जैसी समस्याएँ वैश्विक स्तर पर बढ़ती जा रही हैं. ऐसी परिस्थितियों में अनेक व्यक्ति अपने जीवन की घटनाओं को समझने तथा मानसिक संतुलन बनाए रखने के लिए ज्योतिषीय सिद्धान्तों का सहारा लेते हैं. जन्मकुण्डली के ग्रह, राशियाँ, भाव तथा दशाएँ व्यक्ति को उसके व्यक्तित्व, भावनात्मक प्रवृत्तियों, सामर्थ्य, सीमाओं तथा जीवन की संभावित दिशाओं का प्रतीकात्मक बोध कराते हैं. इससे व्यक्ति अपने भीतर निहित गुणों एवं दुर्बलताओं को समझने का प्रयास करता है तथा आत्मविश्लेषण की प्रक्रिया में अधिक परिपक्व बनता है.

गुप्त नवरात्रि 12 साल बाद बन रहा दुर्लभ योग

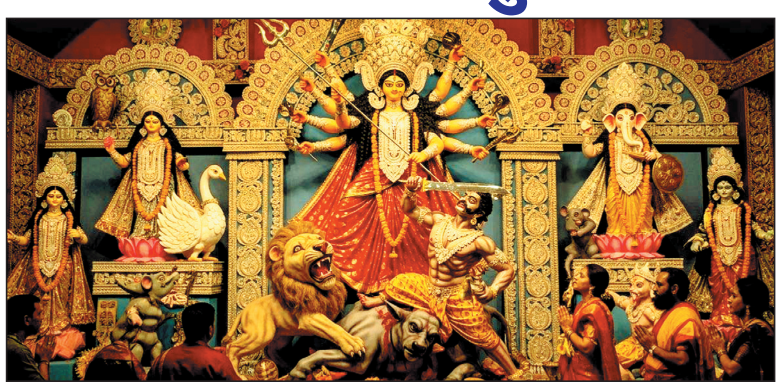

आषाढ़ गुप्त नवरात्रि का शुभारंभ इस वर्ष 15 जुलाई 2026 से होगा और इसका समापन 23 जुलाई 2026 को होगा. शाक्त परंपरा में गुप्त नवरात्रि का विशेष महत्व माना जाता है. यह पर्व विशेष रूप से मां दुर्गा की उपासना, मंत्र-जप और साधना के लिए शुभ माना जाता है. इस बार गुप्त नवरात्रि का आरंभ कई दुर्लभ ज्योतिषीय संयोगों में हो रहा है, जिससे इसका धार्मिक महत्व और बढ़ गया है.

पंचांग के अनुसार, आषाढ़ शुक्ल प्रतिपदा तिथि 14 जुलाई को दोपहर 3:12 बजे से शुरू होकर 15 जुलाई को सुबह 11:50 बजे तक रहेगी. उदया तिथि के अनुसार गुप्त नवरात्रि की शुरुआत 15 जुलाई से होगी. घटस्थापना का शुभ मुहूर्त सुबह 5:33 बजे से 10:09 बजे तक रहेगा. ज्योतिषीय दृष्टि से इस बार गुप्त नवरात्रि बेहद खास मानी जा रही है. 15 जुलाई को बुधवार के दिन पुष्य नक्षत्र, बुध-पुष्य योग और गजकेसरी योग का संयोग बनेगा. ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, गुरु के लगभग 12 वर्ष बाद कर्क राशि में पुनः आने से यह योग विशेष फलदायी माना जा रहा है. इसके अलावा पूरे नवरात्रि काल में दो सर्वार्थ सिद्धि योग और तीन रवि योग भी बनेंगे, जो पूजा, साधना और शुभ कार्यों के लिए अनुकूल माने जाते हैं. गुप्त नवरात्रि में मां दुर्गा के साथ दशमहाविद्याओं—काली, तारा, त्रिपुरसुंदरी, भुवनेश्वरी, छिन्नमस्ता, भैरवी, धूमावती, बगलामुखी, मातंगी और कमला देवी—की विशेष उपासना की जाती है. मान्यता है कि इनकी आराधना से शत्रु बाधा, ग्रह दोष और नकारात्मक शक्तियों से रक्षा होती है.

इन नौ दिनों में साधकों को सात्विक भोजन, ब्रह्मचर्य और संयम का पालन करना चाहिए. मां दुर्गा की विधि-विधान से पूजा करें तथा दुर्गा सप्तशती, दुर्गा चालीसा, देवी कवच या सिद्धकुंजिका स्तोत्र का पाठ करें. क्रोध, असत्य, निंदा और तामसिक भोजन से दूर रहने की सलाह दी जाती है. अष्टमी या नवमी के दिन कन्या पूजन और हवन करना भी शुभ माना जाता है. यदि तांत्रिक साधना का ज्ञान न हो, तो केवल सात्विक भाव से मां भगवती की पूजा और मंत्र-जप करना ही उचित माना जाता है.

16 जुलाई को निकलेगी भगवान जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा

ओडिशा के पुरी में आयोजित होने वाली भगवान जगन्नाथ की विश्वप्रसिद्ध रथयात्रा को लेकर श्रद्धालुओं के बीच इस बार भी तिथि को लेकर संशय है कि यात्रा 15 जुलाई को निकलेगी या 16 जुलाई को. पंचांग के अनुसार, आषाढ़ शुक्ल द्वितीया तिथि 15 जुलाई 2026 को सुबह 11:50 बजे से शुरू होकर 16 जुलाई 2026 को सुबह 8:52 बजे तक रहेगी. उदया तिथि के आधार पर भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा 16 जुलाई 2026 (गुरुवार) को निकाली जाएगी.

रथयात्रा से एक दिन पहले 15 जुलाई को नवयौवन (नबजौबन) दर्शन और गुंडिचा मार्जन जैसे प्रमुख अनुष्ठान संपन्न होंगे. इसके बाद 16 जुलाई को भगवान जगन्नाथ, बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा अपने-अपने भव्य रथों पर विराजमान होकर श्रीमंदिर से गुंडिचा मंदिर के लिए प्रस्थान करेंगे.

हिंदू धर्म में जगन्नाथ रथयात्रा का विशेष महत्व है. मान्यता है कि इस दिन भगवान स्वयं मंदिर से बाहर निकलकर भक्तों को दर्शन देते हैं. रथ की रस्सी खींचना अत्यंत पुण्यदायी माना जाता है और इससे भक्तों को भगवान की विशेष कृपा प्राप्त होती है. यह यात्रा समता, सेवा और भक्ति का प्रतीक मानी जाती है, जिसमें जाति, वर्ग और समुदाय का कोई भेद नहीं रहता.

आषाढ़ी अमावस्या : जानिए स्नान-दान का शुभ मुहूर्त

आषाढ़ मास की अमावस्या सनातन धर्म में पितरों के तर्पण, श्राद्ध और दान-पुण्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है. वर्ष 2026 में आषाढ़ी अमावस्या 14 जुलाई, मंगलवार को पड़ रही है. मंगलवार के दिन होने के कारण इसे भौमवती अमावस्या भी कहा जाएगा, जिसका धार्मिक महत्व विशेष माना जाता है.

मान्यता है कि इस दिन पितरों के निमित्त तर्पण, दान और पूजा करने से उन्हें तृप्ति प्राप्त होती है तथा परिवार पर उनका आशीर्वाद बना रहता है. साथ ही हनुमान जी और भगवान शिव की उपासना भी विशेष फलदायी मानी जाती है.

इस दिन स्नान-दान के लिए सुबह 4:30 बजे से 10:43 बजे तक का समय श्रेष्ठ माना गया है. सूर्योदय सुबह 5:32 बजे होगा. इसके बाद लाभ चौघड़िया सुबह 10:43 बजे से दोपहर 12:27 बजे तक तथा अमृत चौघड़िया दोपहर 12:27 बजे से 2:10 बजे तक रहेगा. पितरों के तर्पण और श्राद्ध कर्म के लिए दोपहर का समय शुभ माना गया है.

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, आषाढ़ी अमावस्या के दिन प्रात:काल पवित्र नदी या घर में स्नान कर सूर्यदेव को अर्घ्य देना चाहिए. इसके बाद भगवान विष्णु, भगवान शिव और पितरों का स्मरण कर तर्पण करना शुभ माना जाता है. श्रद्धानुसार अन्न, वस्त्र, जल या अन्य उपयोगी वस्तुओं का दान करने से पुण्यफल की प्राप्ति होती है. पीपल के वृक्ष में जल अर्पित कर सायंकाल सरसों के तेल या घी का दीपक जलाना भी शुभ माना गया है. साथ ही हनुमान चालीसा का पाठ या 'ऊं नम: शिवाय' मंत्र का जप करने की भी परंपरा है.

व्यापार में उन्नति के लिए क्या करें?

जानें सफलता और समृद्धि के लिए आसान ज्योतिषीय उपाय

ज्योतिष शास्त्र में ऐसे कई पारंपरिक उपाय बताए गए हैं, जिन्हें श्रद्धा और सकारात्मक सोच के साथ करने से व्यापार में आने वाली बाधाओं को दूर करने और उन्नति की कामना की जाती है. हालांकि इन उपायों को आस्था से जुड़ा माना जाता है और सफलता के लिए मेहनत, सही योजना तथा बेहतर प्रबंधन भी उतने ही आवश्यक हैं.

हर व्यापारी की इच्छा होती है कि उसका कारोबार लगातार बढ़े, ग्राहकों की संख्या में वृद्धि हो और आर्थिक स्थिति मजबूत बनी रहे. ज्योतिष शास्त्र में ऐसे कई पारंपरिक उपाय बताए गए हैं, जिन्हें श्रद्धा और सकारात्मक सोच के साथ करने से व्यापार में आने वाली बाधाओं को दूर करने और उन्नति की कामना की जाती है. हालांकि इन उपायों को आस्था से जुड़ा माना जाता है और सफलता के लिए मेहनत, सही योजना तथा बेहतर प्रबंधन भी उतने ही आवश्यक हैं.

मान्यता है कि प्रतिदिन सुबह अपने कार्यस्थल की साफ-सफाई करने के बाद भगवान श्री गणेश और माता लक्ष्मी की पूजा करना शुभ होता है. पूजा के दौरान घी का दीपक जलाकर '? श्रीं महालक्ष्म्यै नमः' मंत्र का 108 बार जप करने से धन-समृद्धि की कामना की जाती है. दुकान या कार्यालय के मुख्य द्वार को हमेशा स्वच्छ और आकर्षक रखें. प्रवेश द्वार पर शुभ-लाभ, स्वस्तिक या ? का चिन्ह बनाना भी शुभ माना जाता है. वास्तु मान्यताओं के अनुसार, उत्तर या पूर्व दिशा को साफ-सुथरा और अव्यवस्था से मुक्त रखना सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है.

हर शुक्रवार माता लक्ष्मी को कमल का फूल, खीर या सफेद मिठाई अर्पित करें. वहीं बुधवार के दिन भगवान गणेश को दूर्वा और मोदक चढ़ाने की भी परंपरा है. ऐसा करने से कार्यों में आने वाली बाधाएं दूर होने की मान्यता है.

शनिवार के दिन जरूरतमंदों को काले तिल, उड़द की दाल या भोजन का दान करना भी शुभ माना जाता है. इसके साथ ही नियमित रूप से गाय, पक्षियों या अन्य जरूरतमंद जीवों को भोजन कराने की परंपरा भी पुण्यदायी मानी जाती है.

यदि व्यापार में लंबे समय से रुकावट महसूस हो रही हो, तो किसी योग्य ज्योतिषाचार्य से अपनी कुंडली का विश्लेषण कराकर ग्रहों की स्थिति के अनुसार उपाय करना अधिक उचित माना जाता है. बिना सलाह के रत्न धारण करने या विशेष अनुष्ठान कराने से बचना चाहिए. व्यापार में वास्तविक सफलता के लिए ईमानदारी, गुणवत्तापूर्ण सेवा, ग्राहकों का विश्वास, सही वित्तीय योजना और निरंतर मेहनत सबसे महत्वपूर्ण आधार माने जाते हैं. जब सकारात्मक प्रयास और आस्था साथ-साथ चलते हैं, तब सफलता की संभावनाएं और मजबूत हो सकती हैं.

'ए' नाम वाले लोग कैसे होते हैं?

नाम का पहला अक्षर व्यक्ति की पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है. ज्योतिष और अंक ज्योतिष में ऐसी मान्यता है कि नाम का शुरुआती अक्षर व्यक्ति के स्वभाव, सोच और व्यक्तित्व के कुछ गुणों का संकेत दे सकता है. यदि किसी का नाम हिंदी के 'ए' अक्षर से शुरू होता है, तो माना जाता है कि ऐसे लोग आत्मविश्वासी, मेहनती और नेतृत्व क्षमता से भरपूर होते हैं. हालांकि किसी व्यक्ति का स्वभाव केवल उसके नाम के पहले अक्षर से तय नहीं होता, फिर भी इन मान्यताओं को लेकर लोगों में खास उत्सुकता रहती है.

मान्यता के अनुसार, 'ए' नाम वाले लोग अपने लक्ष्य को लेकर गंभीर होते हैं और उसे हासिल करने के लिए पूरी लगन से मेहनत करते हैं. चुनौतियों का सामना करने से ये पीछे नहीं हटते और कठिन परिस्थितियों में भी धैर्य बनाए रखने का प्रयास करते हैं. यही गुण इन्हें अपने कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में मदद करता है.स्वभाव की बात करें तो ऐसे लोग स्पष्टवादी और ईमानदार माने जाते हैं. ये अपनी बात खुलकर रखते हैं और दिखावे से दूर रहना पसंद करते हैं. कई बार इनकी बेबाकी लोगों को कठोर लग सकती है, लेकिन इनके मन में अपने परिवार और मित्रों के प्रति गहरा स्नेह होता है. जरूरत पड़ने पर ये अपने करीबी लोगों का पूरा साथ निभाने का प्रयास करते हैं.

राशिफल

दिनांक- 12 से 18 जुलाई 2026 तक

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर मो.नं. 098266-21998

साप्ताहिक ग्रहस्थिति- इस सप्ताह सूर्य मिथुन राशि में ता. 17 को 11.13 रात से कर्क राशि में, मंगल वृषभ राशि में, वक्री बुध मिथुन राशि में, गुरू कर्क राशि में, शुक्र सिंह राशि में, शनि मीन राशि में, राहु कुम्भ राशि में, केतु सिंह राशि में और चन्द्रमा वृषभ मिथुन कर्क और सिंह राशि में संचरण करेगा.

ग्रहयोगों का प्रभाव :- ता. 10/07/2026 से बाजार छोटी अवधि में दोनों तरफसे टकरायेगा. बाजार में तेजी की ओर ही रहेगा. बाजार में बड़ी मंदी देखने नहीं मिलेगी. ता. 12 को शेयर बाजार, रूई, चांदी, तिलहन में जोरदार तेजी मंदी का योग बनेगा. ता. 14/07/2026 से वर्ष के आखिरी तक जमीन और मकान के भाव में तेजी आयेगी, उतार-चढाव भी रहेगा. कुल मिलाकर भूमि भवन के व्यापारियों को अच्छा लाभ मिलेगा. ग्राहकी अच्छी रहेगी. ता. 15 को कर्कस्थ गुरू के अस्त होने से रूई एवं शेयरों में तेजी, सोना, चांदी एवं अनाज मंदे होगें, किन्तु चुने हुये क्षेत्रों में तेजी की सम्भावना बनी रहेगी.

पर्व-व्रत-त्यौहार :

रविवार	12 जुलाई को	प्रदोष व्रत, शिवचर्तुदशी व्रत,
मंगलवार	14 जुलाई को	हल हारिणी अमावस्या, आषाढ़ी अमावस, स्नानदान श्राद्ध अमावस्या,
बुधवार	15 जुलाई को	चन्द्रदर्शन, ग्रीष्म गुप्त नवरात्रारम्भ,
गुरूवार	16 जुलाई को	श्री जगन्नाथ रथ यात्रा, मनोरथ द्वितीया
शनिवार	18 जुलाई को	विनायकी गणेश चतुर्थी व्रत, सौर श्रावण मास प्रारम्भ

मेष

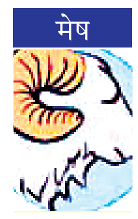

आपको अपने सुझावों के आधार पर कार्य करना चाहिये, अपनी बात को स्पष्ट करने का प्रयास करेंगे, तो लाभ होगा, व्यापार व्यवसाय से प्रतिस्पर्धा का लाभ मिलेगा, मानसिक उत्साह एवं आत्म विश्वास रहेगा, पारिवारिक मामलों में स्थिति सुधरेगी, नौकरी एवं राज्यपक्ष में वातावरण पक्षधर रहेगा, धार्मिक कार्यो में खर्च होगा, कामकाजी महिलाओं को लाभ प्राप्त होगा.

वृषभ

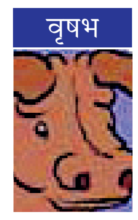

इस सप्ताह सावधानी पूर्वक कार्य करना लाभकारी रहेगा, अपनी बात को स्पष्ट रूप से पेश करें, आपसी व्यक्ति के कारण परेशानी हो सकती है, व्यर्थ की जबावदारी से दूर रहें, व्यापार व्यवसाय में अत्याधिक विश्वास न करें, आर्थिक लेनदेन की चिन्ता रह सकती है, पारिवारिक मतभेद में कमी का अनुभव होगा, परिश्रम उतना ही करें, जितना आपका शरीर साथ दे, धर्म कर्म में खर्च होगा.

मिथुन

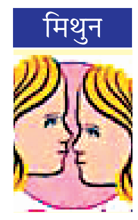

सप्ताह के पूर्वार्ध में आप अपने जिद्दी एवं क्रोधी स्वाभाव के कारण अपने आपको अकेला महसूस करेंगे, प्रभावशाली लोगों से संपर्क बढ़ेगा, कारोबार में विस्तार का योग है, साहसिक प्रयत्नों से शत्रुबाधा दूर होगी, सप्ताह के उत्तरार्ध में आर्थिक उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे, नौकरी एवं राजनैतिक क्षेत्र में व्यस्तता रहेगी, धन संपत्ति के कार्यो में सफलता के योग हैं.

कर्क

अधिकारियों एवं विशिष्टजनों के सहयोग से कामकाज में सफलता मिलेगी, परिश्रम अधिक होगा, आजीविका संबंधी कार्यो में प्रगति होगी, राजकीय क्षेत्र में सफलता मिलेगी, धन, संपत्ति के मामलों में भागदौड़ करना पडेगी, सप्ताह के उत्तरार्ध में कारोबार में मंदी होने से आर्थिक परेशानियों का सामना हो सकता है, प्रियजनों एवं मित्रों से बहुत ज्यादा उम्मीद न रखें.

सिंह

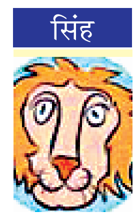

क्रोध की अधिकता से बचें, प्रियजनों से व्यर्थ का विवाद हो सकता है, दैनिक कामकाज में व्यस्तता रहेगी, दूसरों की सलाह से किये गये कार्य परेशानी दायक हो सकते हैं, स्वविवेक से कार्य करना हितकर रहेगा, प्रणय संबंधों में सावधानी रखें, मान प्रतिष्ठा धूमिल हो सकती है, पारिवारिक जीवन में गंभीरता से कार्य करें, नौकरी एवं अन्य राजनैतिक क्षेत्रों में स्थिति अनुकूल रहेगी.

कन्या

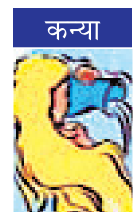

सामाजिक एवं पारिवारिक जीवन में नयी जिम्मेदारी बढ़ेगी, आपसी लोग आपकी बातों और कार्यप्रणाली से प्रभावित होंगे, प्रियजनों का सहयोग मिलेगा, दाम्पत्य संबंधों में निकटता आयेगी, चल-अचल संपत्ति से लाभ के योग हैं, बंधुजनों का सहयोग मिलेगा, किसी धार्मिक कार्य की रूपरेखा पर विचार हो सकता है, अपूर्ण समाचारों पर निर्णय लेने से बचें.

तुला

आपको सार्वजनिक क्षेत्र में यश और मान सम्मान मिलेगी, नवीन योजनाओं की पूर्ति होगी, पारिवारिक वातावरण उत्साहपूर्ण रहेगा, छोटी सी बीमारी आपको कई दिन तक परेशान कर सकती है, व्यापारिक कारणों से यात्रा की संभावना है, आप अपनी वाणी के प्रभाव से कठिन कार्यो में सफलता प्राप्त करेंगे, नई मित्रता उपयोगी सिद्ध होगी.

वृश्चिक

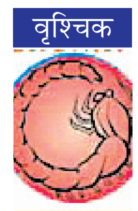

आपको कई अच्छे अवसरों का लाभ मिलेगा, किसी सार्वजनिक क्षेत्र या समारोह में भाग लेना पडेगा, यश और सम्मान एवं प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी, सहकर्मियों के साथ महत्वपूर्ण योजना बनेगी, जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिन्ता रहेगी, नौकरी पेशा व्यक्तियों को नई जिम्मेदारी उठानी पड़ेगी, सप्ताहान्त में आजीविका को लेकर कोई शुभ सूचना मिलेगी.

धनु

आपको पारिवारिक वातावरण सुखद और प्रसन्नतादायक बनाने में मदद मिलेगी, नये अनुभव प्राप्त होंगे, मित्र से अच्छे परामर्श का योग है, आप किसी व्यवसाय की परिकल्पना कर रहे हैं, तो वह साकार होगी, शत्रु बाधा का सामना करना होगा, नौकरी एवं राजनैतिक क्षेत्रों में अनुकूलता रहेगी, पारिवारिक उत्तरदायित्व निभाने पड़ेगे, सत्संग में रूचि बढ़ेगी.

मकर

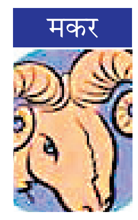

सप्ताह के पूर्वार्ध में अति आत्म विश्वास में लिये गये फैसले बदलने पड़ सकते हैं, परेशानियों से छुटकारा मिलेगा, धैर्यपूर्वक कार्य करें, पैतृक संपत्ति संबंधी विवादों से सफलता मिलेगी, सप्ताह के मध्य गोपनीयता पर ध्यान दें, साझेदारी का कार्य लाभ देगा, सप्ताह का अंतिम समय सावधानी का है, महत्वपूर्ण मेलजोल मुलाकात एवं अधिकारियों से सहयोग मिलेगा.

कुम्भ

स्वास्थ्य में सुधार होगा, दूर दराज की यात्रा हो सकती है, रोजगार के क्षेत्र में उन्नति होगी, व्यापारिक गतिविधियों पर ध्यान रखकर कार्य करें, किसी पारिवारिक विषय को लेकर आप चिंतित रह सकते हैं, प्रिय व्यक्ति का सहयोग मिलेगा, जल्दबाजी एवं अपूर्ण समाचारों पर कोई भी निर्णय न लें, उद्देश्यपूर्ति का योग है, राजकीय कार्यो में लापरवाही न करें.

मीन

इस सप्ताह सुख एवं सुविधा साधनों को जुटाने में सफलता मिलेगी, कारोबार, परीक्षा प्रतियोगिता में सफलता मिलेगी, सप्ताह के मध्य कोई खास व्यक्ति आपके परिश्रम पर पानी फेरने की कोशिश करेगा, अधिकारियों से बातचीत में नरमी रखें, पूज्य व्यक्ति के स्वास्थ्य की चिन्ता रह सकती है, धार्मिक कार्यो में रूझान बढ़ेगी, जीवनसाथी की आपसे अपेक्षा बढ़ सकती है.